प्रश्न	अंक	
1		
2		
3		
4		
5		
6		
कुल		

हिंदी प्रचारिणी सभा

(हिंदी भवन –हिंदी भवन मार्ग – लोंग माउंटेन)

क्रम संख्या

हिंदी प्रवेशिका परीक्षा 2017

प्रश्न पत्र 2

(पठित पद्य, गद्य, अपठित गद्य तथा संस्कृत)

समय : 1.30 घंटा **(शनिवार 11 नवंबर 2017)** **पूर्णांक : 100**

1. इनमें से किसी एक (1) कविता का अर्थ समझाइए : **(15 अंक)**

क. मैके से अनगिनत सपने संजोए
रंगीन आँचल में
मन को डुबोए
नई नवेली दुल्हन
उषा की अरुणिमा के साथ
आ पहुँची प्रियतम के द्वार ।

ख. दूध बेचने रोज़ सवेरे
गाँवों में वह जाता था
घर–घर दूध–दही देकर
साँझ ढले घर आता था ।

ग. एक शाम नीम की छाया में
पव्वल के ठंडे मृत तन को
शीतलता ने रो–रो पाया था
अपने जीवन संगी का
उसने साथ गँवाया था ।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(कृपया पन्ना उलटिए)

2. **इनमें से किसी एक कवि के बारे में लगभग 75 शब्द लिखिए :**

1. रश्मि लालबिहारी 2. जय जीऊत 3. धनराज शम्भु **(15 अंक)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

3. **इनमें से किसी एक कहानी का सार लगभग 100 शब्दों में लिखिए :** **(20 अंक)**

1. शास्त्री जी का सपना 2. शास्त्री जी का सपना 3. प्रोमोशन

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

4. **ध्यान से पढ़िए :**

देवा नाम का एक बालक था । उसे अपना पाठ याद नहीं आता था । सहपाठियों के प्रश्नोत्तर देते समय वह उनके मउँह ताका करता था । साथी उसे उल्लू कहकर चिढ़ाया करते थे । इस तरह उसे सचमुच विश्वास हो गया कि वह मूर्ख है, कभी विद्या नहीं सीख सकता ।

एक दिन घर जाते समय उसे प्यास लगी । वह पास के कुएँ पर रूक गया । कुछ ग्रामीण महिलाएँ पानी भर रही थीं । एक ने उससे कहा – " प्यास लगी है, पानी पिला दूँ !" पानी पीते समय उसकी दृष्टि कुएँ की मुँडेर पर पड़ी । पत्थर पर पड़े हुए निशान दिखाई दिए । उसने महिला से प्रश्न किया – " पत्थर पर ये निशान कैसे हैं ?" महिला मुस्कुराई, फिर बोली – " अरे, उल्लू ! इतना नहीं जानता, ये निशान प्रति-दिन रस्सी खींचने की रगड़ से पत्थर पर पड़ गए हैं ।"

देवा की आँखें खुल गईं । उसे विश्वास हो गया कि जब बारंबार रस्सी के आने-जाने से यह कठोर पदार्थ घिस सकता है तो वह भी नित्य अभ्यास करने से विद्वान बन सकता है । यह उसके लिए एक बड़ी सीख थी ।

इन प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में लिखिए :

क. कौन देवा को चिढ़ाया करता था ?

.....(3 अंक)

ख. प्यास लगने पर देवा कहाँ रूक गया ?

.....(3 अंक)

ग. ग्रामीण महिलाएँ कुएँ पर क्या करने जाती थीं ?

.....(4 अंक)

.....

घ. पत्थर पर क्यों निशान पड़ गए थे ?

.....(5 अंक)

.....

ङ. अगर देवा को महिला की बात पर विश्वास न होता तो क्या होता ?

.....(5 अंक)

.....

(कृपया पन्ना उलटिए)

5. **दिये गए हिंदी शब्दों में से किन्हीं पाँच (5) को संस्कृत में लिखिए :–** **(10 अंक)**

चित्र – ..... घर में – .....

माता – ..... शीघ्र – .....

फल – ..... क्या – .....

आवास – ..... सबा – .....

मैं – ..... सवेरे – .....

6. **इनमें से किन्हीं पाँच (5) वाक्यों को हिंदी में लिखिए :–** **(20 अंक)**

क. शीला कुत्र अस्ति ? .....

ख. सुन्दरः बालकः गच्छति । .....

ग. आवां पठावः । .....

घ. त्वं कुत्र वससि ? .....

ङ. रामः एकं पत्रं पठति । .....

च. कुक्कुरः समीपे अस्ति । .....

छ. बालाः क्षेत्रे खेलन्ति । .....

ज. प्रातः ईश्वरं नमामि । .....